प्रभाव | भगवत गीता और महात्मा गांधी से प्रेरणा ली अमेरिकी ने

दुनिया बदलने का लक्ष्य

178 देशों में दे रहे हैं ट्रेनिंग। 147 देशों में खुद के कार्यालय खोले। पाकिस्तान तक पहुंचाया संदेश। सूबे के शिक्षकों की अतिप्रभावी आदतों को उभारने में लगे।

भास्कर न्यूज | रायपुर

महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद और भगवत गीता के संदेशों ने एक अमेरिकी डा. स्टीफन आर कोवी को इतना प्रभावित किया कि उसने इसके जरिए दुनिया के लोगों को बदलने की ठान ली। 20 सालों में उन्होंने 30 लाख लोगों में अति प्रभावशाली सात आदतों को विकसित करने की कोशिश की है। 'फेंकलीन कोवी' संगठन के जरिए उनकी सोच का दायरा बढ़ता ही गया। देश की नामी हस्तियां डा. रामचरण और महान खालसा के अलावा प्रदेश के बागबाहरा के जयप्रकाश अग्रवाल भी कुछ सालों से उनके अभियान में जुड़ गए हैं। श्री अग्रवाल खासतौर से हिंदी अनुवाद का काम करते हैं। यही संदेश लेकर संगठन के चेयरमैन व सीईओ लवलीन रहेजा आज राजधानी में थे। वे यहां एससीईआरटी में मास्टर्स ट्रेनर्स को टिप्स देने आए थे। उन्होंने बताया कि डा. कोवी ने दुनियाभर के धार्मिक ग्रंथों, महापुरुषों की जीवनियों और पिछले 200 साल में लिखी गई किताबों का अध्ययन किया। वे भगवत गीता, महात्मा गांधी और स्वामीजी के उपदेशों से बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने इसका जिक्र अपनी किताब 'अतिप्रभावशाली व्यक्तियों की सात आदतें' में बार-बार इसका उल्लेख किया है। इस किताब में इंसानी परिवर्तन के सशक्त सबक दिए गए हैं। नामी 'टाइम' पत्रिका ने श्री कोवी के उद्देश्यों से प्रभावित होकर उन्हें संसार की 25 सबसे प्रभावकारी हस्तियों में शुमार किया है। श्री रहेजा के अनुसार धार्मिक उपदेशक लोगों में प्रवचन से ज्ञान का प्रसार तो कर सकते हैं पर इस पर अमल करने लोगों को ट्रेनिंग की जरूरत पड़ती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकारी महकमों और प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले अधिकारियों कमचारियों में केवल 'माइंड सेट' की दिक्कत होती है। सरकारी कर्मचारियों में इच्छाशक्ति का अभाव होता है। अवहेलना की आदत की वजह से वे प्राइवेट सेक्टरों से पिछड़ जाते हैं। हालांकि उनमें भी उतनी ही प्रभावी 'इफिशिएंसी' और स्कील होती है। रहेजो कहते हैं इसका उदाहरण यह है कि देश की सरकार आईएएस चला रहे हैं। यह उनकी दक्षता का प्रमाण है। सरकारी कर्मचारी एटीट्यूट बदल लें तो कौन उनकी बराबरी कर सकता है?

डॉ. कोवी लवलीन रहेजा

एजुकेशन पर फोकस होना चाहिए

भारत और विदेशियों में ट्रेनिंग के असर के बारे में उन्होंने कहा कि वहां 'लर्निंग-डेवलपमेंट' मैन पिल्लर है। इसे सरकार बजट सहित सभी बातों में तवज्जो देती है, जबकि हमारे यहां यह सबसे बाद में जरूरत पड़ने पर ही दिखाई देता है। सरकार को यह पता होना चाहिए कि लोगों की खुशहाली ही उसका पावर है। उसे एजुकेशन पर फोकस करना चाहिए। 14-15 साल के बाद भी बच्चे पढ़ते रहें। ड्राप आउट न हों। दुर्भाग्य से इस बारे में फंडामेंटल ही गलत है। ट्रेनिंग के नतीजों के बारे में उन्होंने कहा कि अभी इस तक पहुंचना है। छत्तीसगढ़ देश के हिंदीभाषी राज्यों में अग्रणी है जहां इन सिद्धांतों को अपनाने की पहल हुई है। ट्रेनिंग कोआर्डिनेटर सुश्री दीपा दास ने कहा कि रायपुर, राजनांदगांव, कवर्धा, कांकेर में इसकी शुरूआत की जा रही है। बाद में सभी जिलों को शामिल किया जाएगा।

आंतरिक शक्ति बढ़ाना ही शिक्षा : शिक्षा सचिव नंदकुमार ने कहा कि गणित,भाषा और भूगोल को ही शिक्षा माना जाता है। इससे इंसान की आंतरिक क्षमताओं का विकास नहीं हो पाता। इसके लिए फेंकलीन कोवी जैसे प्रयासों की जरूरत है, फिर चाहे वह महात्मा गांधी, गीता या बाइबिल के सिद्धांत हों।

अतिप्रभावकारी सात आदतें

- प्रोएक्टिव बने
- नतीजों को ध्यान रखकर काम शुरू करें
- पहली चीजें पहले रखें
- जीत और जीत की ही सोचें
- पहले समझें, फिर समझाएं
- सिनर्जी का प्रयोग करें
- आरी की धार तेज करें

पेज 1 का शेष

नक्सलियों पर ...

सूत्रों का कहना है कि नक्सली हमले के बाद पहली बार पुलिस के आक्रामक तेवर देखने मिल रहे है। सर्चिंग के माध्यम से राजनांदगांव से लगी दूसरे राज्य की सीमा में नक्सलियों की बे-रोकटोक आवाजाही को रोकने की कोशिश की जा रही है। मानपुर इलाके में मदनवाड़ा सहित तीन नए थाने खोलने के पीछे पुलिस का उद्देश्य भी यही था। इस पर अंकुश लगाने के लिए महाराष्ट्र की पुलिस को भी विशेष रूप से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। खासकर गढ़चिरौली के आसपास पुलिस को इस बारे में विशेष रूप से सूचना दी जा रही है। यही ऐसा क्षेत्र है जहां पर नक्सली वारदात करने के बाद गायब हो जाते हैं।

विद्यार्थी की दिलचस्पी को बढ़ाने का काम करेगी।

समरेटिव असेसमेंट : सीबीएसई द्वारा तैयार प्रश्नबैंक के आधार पर स्कूल में विद्यार्थियों की दो बार लिखित परीक्षा ली जाएगी। बोर्ड ने स्कूलों से कहा है कि वे सत्र के बीच होने वाली इन परीक्षाओं का टाइम टेबल विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए तय करें।

बीएसपी ने ...

सीज किए गए एकाउंट्स में एसबीआई सेक्टर-1, कामर्शियल एसबीआई इंडस्ट्रीयल एरिया, एसबीआई संयंत्र परिसर, एक्सेस बैंक सुपेला व एसबीआई कार्पोरेट लेखा समूह जवाहर व्यापार भवन टालस्टाय मार्ग नईदिल्ली के एकाउंट्स का नाम

है। उम्मीद है कि 3-4 दिनों में यह स्थिति बने। पिछले साल 2 सितंबर को मानसून विदा हो गया था।

बचाव के लिए क्या करें : वैज्ञानिकों के मुताबिक कूलर के उपयोग से आर्द्रता 80 से 100 फीसदी तक बढ़ जाती है। इस वजह से इसका उपयोग न करें। बिना पानी पंप चलाए कूलर को पंखे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। एसी चलाने से ह्यूमिडीटी कंट्रोल होती है। इसका उपयोग करने वाले को सुख मिलेगा, लेकिन आसपास वालों के लिए एसी से निकलने वाली गर्म हवा परेशानी पैदा करेगी।

धान के लिए पानी बेहद जरूरी : प्रदेश में धान की ज्यादातर फसल की बालियां फूलने की स्थिति में है। इसे एक पानी की बेहद जरूरत है। 3-4

जानकारी लिखित देनी होगी।

एक माह में निवारण जरूरी : संशोधित नियमों में शिकायतें निपटाने की समय सीमा छह सप्ताह से घटा कर एक माह कर दी गई है। बैंक खाते बंद करने की सीमा भी पांच दिनों से घटा कर तीन दिन कर दी गई है।

बीसीएसबीआई के चेयरपरसन, केजे उदेशी ने बताया कि 'हर्जाने की राशि का फैसला बैंक खुद करेंगे। हम तो सिर्फ हर्जाना देने के लिए कह सकते हैं। हालांकि एक बार हर्जाना तय हो जाता है तो उन्हें इसे पारदर्शी ढंग से लागू करना होगा। कुछ बैंकों के पास ऐसे सॉफ्टवेयर हैं, जिससे वे यह राशि ग्राहक के खाते में सीधा पहुंचा सकते हैं।'

रिकवरी एजेंट का खौफ घटा :

दिल्ली ...
50 फी...

नगर संव...

संत निरंकारी ... वाले समागम ... जाने वाले यात्रि... फीसदी छूट दे... छूट निरंकारी ... महासचिव द्वारा ... जाने पर मिलेगी ... उन्हीं यात्रियों ... मासिक आय ... है। रेलवे बोर्ड ... छूट की ... मेल/एक्सप्रेस ... तक 300 किम... की यात्रा करने ...

राज्यपाल ...
साहू और ...

रायपुर | भाजपा ... वरिष्ठ नेताओं ... साहू और वित्त ... वीरेंद्र पांडे ... नरसिम्हन से ... की। उन्होंने ... के खिलाफ दर्ज ... केस वापस ले... कर्मचारियों के ... की मांग की।

यह पहला ... के खिलाफ दो... एकसाथ राज्यपा... करीब 2.30 ... और आधे घंटे ... सरकारी नुमाइंदों ... जा रहे अत्याचार ... की। उन्होंने राज... सिमगा के ग्राम ... को दुर्घटना में एक ... मौत हो गई थी। ... शांतिपूर्ण ढंग से ... तब सिमगा ... अचानक लाठी ... किसानों, नेत्रहीन ... भी नहीं बख्शा।

मंत्राल...

क्रमांक 2010/... छत्तीसगढ़ ... साहू सदस्य, छ... अधिनियम 199... पृथक करने का ... विभाग द्वारा ...